ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

CLASS: II
SUBJECT : (HINDI)
CHAPTER NUMBER: 16
TOPIC : बरगद और हाथी
SUB TOPIC : प्रस्तवना , आदर्श पठन , कठिन शब्द

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

UDM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

प्रस्तवना , आदर्श पठन

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

बरगद और हाथी

तालाब के किनारे एक पुराना बरगद का पेड था। वह जंगल के सभी पशु पक्षियों की मदद करता था । एक बार दूसरे जंगल से एक घमंडी हाथी आया। उसे पेड की तारीफ सुनकर अच्छा नहीं लगा।

उसने पेड़ के पास जाकर कहा, “ अरे बूढ़े पेड़। तुम खड़े-खड़े सबकी मदद कैसे करते हो? मैं भी देखूंगा । उसने पेड़ की पत्तियाँ तोड़कर खाई। टहनियों और डालियों को तोड़ डाला।

पेड ने कहा, “ देखो भाई! तुम्हें जितनी पत्तियाँ खानी हैं खा लो पर टहनियों और डालियों को मत तोड़ो। इस पर रहने वाले पशु पक्षी गिर जाएँगे। हाथी नहीं माना ।

एक चींटी पेड से निकली और हाथी की सूँड़ में घुस गई। हाथी ने छींका अपने कान फड़फड़ाए। अपनी सूँड़ हिलाई पर चींटी पर कोई असर न हुआ ।

वह दर्द से चिल्लाया, “ हाय! मैं मरा। कोई चींटी को बाहर निकालो। “

उसे तालाब के पानी की याद आई । उसने सूँड़ में पानी भरा। पानी को जोर से सूँड़ से बाहर फेंका । पानी के साथ चींटी भी निकल गई।

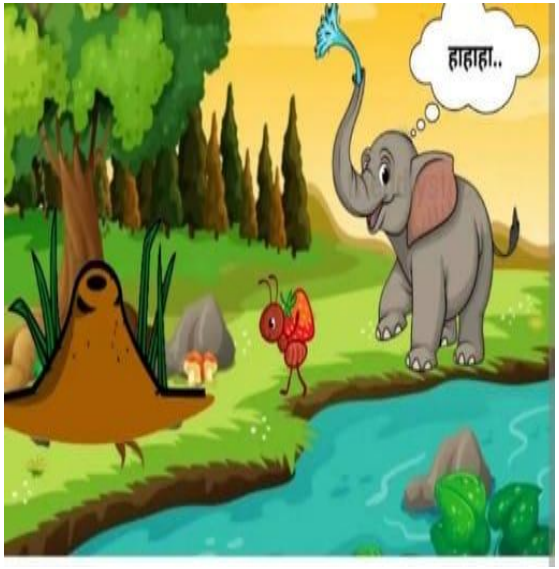

तालाब के ऊपर तो पानी था लेकिन नीचे दलदल थी। हाथी दलदल में फँस गया। उसने पेड़ से कहा, “पेड़ दादा हमें इस दलदल से निकालिए।“

पेड़ ने हाथी को मुसीबत में देखा तो अपनी सबसे बड़ी डाल नीचे झुका दी। उस दाल को पकड़कर हाथी दलदल से बाहर आ गया। हाथी को समझ आ गया कि सब पेड़ की तारीफ क्यों करते हैं। उसने पेड़ से माफी माँगी और चला गया ।

कठिन शब्द

- टहनियाँ
- किनारा
- तारीफ़
- दलदल
- मुसीबत
- फड़फड़ाना
- दर्द
- माफ़ी
- घमंडी
- असर

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

सीखने प्रतिफल

बच्चो में शुद्ध उच्चारण तथा भाषाई शुद्धता का विकाश हुआ ।

freepptbackground.com

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP